**भारत सरकार**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 102**

**सोमवार, 24 नवम्‍बर, 2014 3 अग्रहायण 1936 (शक)**

**राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना पीडि़तों हेतु विशेष पुलिस बल**

102. **श्री संजय राउत:**

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश भर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना पीडि़तों की सहायता

हेतु विशेष पुलिस बल का गठन कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राजमार्गों की लंबाई को ध्यान में रखते हुए शीघ्र कार्रवाई हेतु एयर एम्बुलेंस तथा एयरक्रेन लाने का सरकार का कोई प्रस्ताव है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री पोन्. राधाकृष्‍णन)**

**(क) और (ख)** इस मंत्रालय ने मोटर वाहनों और सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी मुद्दों को शामिल करते हुए सड़क परिवहन और सुरक्षा विधेयक, 2014 का मसौदा तैयार किया है। विधेयक में यातायात विनियमन और संरक्षण बल बनाने का उपबंध है।

**(ग) से (ड.)** जी, नहीं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्घटना सहायता सेवा योजना (एनएचएआरएसएस) के अंतर्गत क्रेन और एम्‍बुलेंस खरीदता है और दुर्घटना पीडि़तों की सहायता के लिए राज्‍य सरकारों को प्रदान करता है। इसके अलावा रियायत करारों में यह निर्धारित है कि रियायतग्राही से सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 24 घंटे एम्‍बूलेंस सेवा प्रदान करना अपेक्षित है और इसके अतिरिक्‍त परियोजना राजमार्ग पर दुर्घटना प्रबंधन हेतु रूट पेट्रोल वाहनों, टो-अवे क्रेनों की व्‍यवस्‍था करना अपेक्षित है। एम्‍बुलेंस, रूट पेट्रोल वाहन और टो-अवे क्रेन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सुपुर्द राष्‍ट्रीय राजमार्गों पर 50 किमी की औसत लंबाई पर प्रदान की जाती हैं।

सड़क दुर्घटना पीडि़तों की आपातकालीन चिकित्‍सा सहायता सेवा में वृद्धि के संबंध में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटना पीडि़तों को 48 घंटों के लिए नकदी रहित ईलाज अथवा 30,000 रूपए,इसमें जो भी पहले हो प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग -8 के गुडगॉंव-जयपुर खंड, राष्ट्रीय राजमार्ग-8 के अहमदाबाद-मुम्‍बई खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग -33 के रांची-राड़गॉव-महुलिया खंड पर प्रायोगिक परियोजनाएं भी शुरू की गई है।

**\*\*\*\***